DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक जागरण
www.jagran.com 14
नई दिल्ली, 15 दिसंबर, 2022 RS----------DATED----------

असिता ईस्ट में जी-20 समिट होने की संभावना

निखिल पाठक • पूर्वी दिल्ली

अगले वर्ष सितंबर में होने वाले जी-20 समिट की अध्यक्षता का जिम्मा भारत को दिया गया है। देशभर में होने वाले कार्यक्रमों को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। राजधानी में जी-20 समिट के आयोजन के लिए यमुना खादर क्षेत्र में बने असिता ईस्ट को संभावित स्थलों के रूप में देखा जा रहा है। इसी को लेकर दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने शनिवार को असिता ईस्ट परियोजना का दौरा किया। उनके साथ दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के अधिकारी भी मौजूद रहे। उन्होंने अधिकारियों को हरियाली से लेकर विभिन्न प्रजाति के प्रवासी पक्षियों, विशेष फूल के पौधों के साथ स्वच्छता का विशेष रूप से ध्यान रखने के निर्देश दिए। एलजी के निर्देशानुसार डीडीए के अधिकारियों व कर्मचारियों ने तैयारियां तेज कर ली हैं। डीडीए के अधिकारियों ने बताया कि असिता ईस्ट पूर्वी दिल्ली के लोगों के लिए प्राकृतिक उपहार है। अगले साल राजधानी में होने वाले जी-20 सम्मेलन के लिए असिता ईस्ट परियोजना को संभावित स्थल के रूप में देखा जा रहा है।

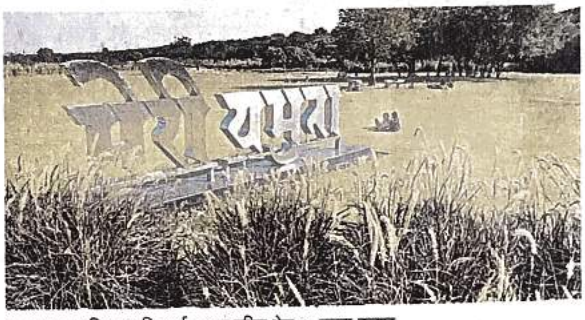

यमुना खादर स्थित असिता ईस्ट का हरित क्षेत्र • पारस कुमार

इन फूलों से महकेगा असिता ईस्ट

असिता ईस्ट को गेंदा, आपियम पापी, डहेलिया, बबूने, एलाइसम, नीलकूपी, कैलेंडुला, हालिहाक सहित अन्य विशेष फूलों से सजाया जाएगा। असिता ईस्ट में 'मेरी यमुना' का आकर्षक प्वाइंट भी बनाया गया है। यहां पर पर्यटक सेल्फी ले सकेंगे।

एलजी ने परियोजना के दौरे के दौरान अधिकारियों को आइटीओ से लेकर यमुना खादर तक सड़कों की सफाई, कूड़ेदान की व्यवस्था, हरियाली के लिए विशेष पौधे व खजूर के पेड़ों को लगाने के निर्देश दिए।

डलावघर के लिए जमीन के संबंध में बैठक करने का एनजीटी ने दिया निर्देश

जासं, नई दिल्ली : नरेला जोन में डलावघर नहीं होने के कारण सड़क किनारे कूड़ा डालने के मामले में एनजीटी ने उत्तरी दिल्ली के जिलाधिकारियों को दिल्ली नगर निगम, दिल्ली विकास प्राधिकरण समेत अन्य के साथ बैठक कर इस पर विचार करने का आदेश दिया। न्यायिक सदस्य अरुण कुमार त्यागी की अध्यक्षता वाली पीठ ने साथ ही जिलाधिकारी को सात सप्ताह में जवाब दाखिल करने को कहा। मामले में अगली सुनवाई छह फरवरी को होगी।

एनजीटी के आदेश पर हुई संयुक्त निरीक्षण के बाद पेश की गई रिपोर्ट में बताया गया कि 14 नवंबर को किए गए निरीक्षण में पता चला कि खामपुर में ग्राम सभा की कोई भूमि उपलब्ध नहीं है। इसके बाद 12 दिसंबर को जिलाधिकारी, एमसीडी नरेला जोन और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक हुई।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

हिन्दुस्तान
नई दिल्ली, गुरुवार, 15 दिसंबर 2022
DATED

अध्ययन | प्रदूषण कम करने और हरियाली बढ़ाने की कवायद, दिल्ली विकास प्राधिकरण ने करीब 20 साल पहले जैव विविधता पार्कों का निर्माण शुरू किया था

दिल्ली की तर्ज पर ताज की सुंदरता बढ़ाएंगे जैव विविधता पार्क

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। दिल्ली की तर्ज पर ताजमहल के पास भी जैव विविधता पार्क बनाए जाएंगे, जिससे प्रदूषण कम होगा और हरियाली बढ़ने से ताजमहल का नजारा और शानदार होगा।

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने करीब 20 साल पहले जैव विविधता पार्कों का निर्माण शुरू किया था। फिलहाल राजधानी के अलग-अलग हिस्सों में डीडीए के सात जैव विविधता पार्क हैं। इनमें प्राकृतिक उपायों के जरिए पुराने पारिस्थितिक तंत्र और पर्यावास को वापस लाने के प्रयास किए जाते हैं। राजधानी में यमुना के किनारे बनाए गए पार्कों को खासी सफलता मिली है। इनके जरिए न सिर्फ पूरे इलाके में हरियाली बढ़ी है, बल्कि भूमिगत का संभरण भी हुआ है और जीव-जंतुओं व पक्षियों की तमाम प्रजातियों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित निगरानी समिति (पेयजल, सीवेज, ड्रैनेज और ठोस कचरा निस्तारण) के सदस्य और ताज ट्रेपेजियम जोन अथारिटी के सदस्य रमन ने बताया कि इन उपायों से ताज के आसपास प्रदूषण को कम किया जा सकेगा। वहीं, भूमिगत जल के स्तर में भी बढ़ोतरी होगी। उन्होंने बताया कि डीडीए जैवविविधता पार्क कार्यक्रम के प्रमुख प्रो. सीआर बाबू की टीम ने ताजमहल के पास दो जगहों का निरीक्षण किया और जैव विविधता पार्क स्थापित करने पर काम किया जा रहा है।

दो स्थानों का चयन

ताजमहल के पास दो जगहों पर जैव विविधता पार्क बनाए जाएंगे। यहां पर ककरेटा में 2010 में वेटलैंड विकसित किया गया था। अब यहां पर प्राकृतिक उपायों के जरिए नाले के पानी का शोधन किया जाएगा।

क्या है कंस्ट्रेक्टेड वेटलैंड

कंस्ट्रक्टेड वेटलैंड में खास तरीके से नमभूमि तैयार की जाती है। इसमें कहीं पर बजरी और कहीं पर खास प्रजातियों के पौधे लगाए जाते हैं। इनमें से होकर गुजरने वाला पानी काफी हद तक साफ हो जाता है।

नीला हौज और कालिंदी पार्क के उपाय कारगर

नीला हौज और कालिंदी जैव विविधता पार्क में प्राकृतिक उपायों से नाले का पानी साफ करने की तकनीक विकसित की गई थी। इसे ताजमहल के आसपास भी लागू किया जाएगा।

स्थानीय प्रजाति के पौधों की जुटा रहे जानकारी

जैव विविधता पार्क के निर्माण के लिए इन दोनों ही स्थलों पर लगाए जा सकने वाले स्थानीय प्रजाति के पेड़-पौधों और झाड़ियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

दिल्ली का फेफड़ा बने सात जैव विविधता पार्क

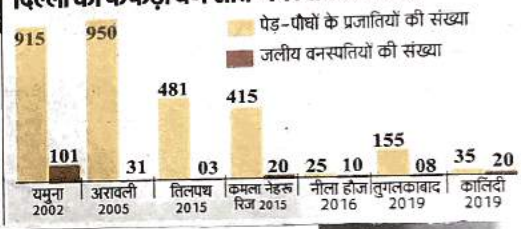

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । गुरुवार, 15 दिसंबर 2022

मेहमानों के लिए चलेंगी डबल डेकर और हो-हो बसें

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

NBT@G20

अगले साल भारत में होने जा रही जी-20 समिट के लिए दिल्ली को भी नए सिरे से सजाने-संवारने का काम चल रहा है और बड़े पैमाने पर विदेशी मेहमानों के स्वागत की तैयारियां की जा रही है। इसी सिलसिले में बुधवार को हुई एक समीक्षा बैठक में दिल्ली के उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने विदेशी मेहमानों को दिल्ली दर्शन कराने के लिए कुछ चुनिंदा इलाकों में डबल डेकर बसें चलाने और हो-हो बस सर्विस को फिर से शुरू करने का सुझाव दिया। इसके अलावा एलजी ने प्रगति मैदान और सेंट्रल विस्टा के आस-पास के इलाके में सड़क किनारे एक जैसा आर्किटेक्चर डिवेलप करने और नई दिल्ली समेत उन सभी इलाकों में 5-जी नेटवर्क का तेजी से विस्तार करने के लिए भी कहा है, जहां विदेशी मेहमान भ्रमण करेंगे, मीटिंग के लिए जाएंगे या होटलों में रुकेंगे।

एलजी ने जोर देकर कहा है कि जी-20 एक ऐसा अभूतपूर्व अवसर है, जिसका लाभ उठाकर दिल्ली को हमेशा के लिए एक ऐसे साफ-सुथरे शहर में रूप तब्दील किया जा सकता है, जहां हर वक्त उत्सव वाला माहौल रहता हो। इसके मद्देनजर दिल्ली को एक नया रूप देने के लिए रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर और लैंडस्केप को भी नए सिरे दुरुस्त किया जा रहा है, जिससे दिल्ली एक बिल्कुल नए अंदाज में उभरकर सामने आएगी और लंबे समय तक लोग इस बदलाव को महसूस कर सकेंगे। हमें इस अवसर का लाभ उठाने से जरा भी चूकना नहीं है।

उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में बुधवार को जी-20 समिट की तैयारियों को लेकर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और राजस्व व परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत भी शामिल हुए। वैसे तो सीएम अरविंद केजरीवाल को भी इस मीटिंग में आना था, लेकिन तबीयत ठीक न होने के कारण वह नहीं आ सके। दिल्ली के चीफ सेक्रेट्री, पुलिस कमिश्नर, एनडीएमसी के चेयरमैन, ट्रैफिक पुलिस के स्पेशल कमिश्नर, डीडीए के वाइस चेयरमैन, एमसीडी के स्पेशल ऑफिसर और कमिश्नर और पीडब्लूडी, डीटीसी, दिल्ली जल बोर्ड, दिल्ली टूरिज्म और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी इस मीटिंग में मौजूद रहे।

एलजी ने बताया कि जी-20 समिट के दौरान अगले साल मार्च से लेकर सितंबर के बीच दिल्ली में कुल 8 बड़ी मीटिंग्स होंगी, जिनमें जी-20 समूह के देशों के वरिष्ठ अधिकारी, मंत्रीगण और राजनेता शामिल होंगे। मुख्य समिट 9 और 10 सितंबर 2023 को दिल्ली में आयोजित होगी।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS----------DATED----------

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
THURSDAY, DECEMBER 15, 2022

TIMES CITY

3 Mths To G20 Events, Delhi Looks To Showcase Itself To The World

LG & Sisodia Call It Massive Opportunity

Atul.Mathur
@timesgroup.com

New Delhi: With less than three months to go for the first G20 event, lieutenant governor V K Saxena on Wednesday said the summit presented an "unprecedented opportunity" to the capital to showcase itself to the world and emphasised that it should be utilised to emerge as a city that is "forever clean and forever in celebration".

Chairing a high-level meeting to review preparations in the run-up to the G20 events to be hosted by Delhi, the LG underlined a very tight timeline for complete overhaul and revamp of the city. Sources said Saxena called for "seamless" coordination between various agencies and exhorted all to work as a team.

"The LG cautioned that any lapse in delivery will be taken seriously. Responsibility will be fixed and stringent action will be taken," said an official.

The meeting was attended by deputy CM Manish Sisodia, ministers Kailash Gahlot and Raaj Kumar Anand, chief secretary Naresh Kumar, police commissioner Sanjay Arora, NDMC chairman Amit Yadav, DDA vice-chairman Manish Gupta, MCD special officer Ashwani Kumar and senior Delhi government officials. CM Arvind Kejriwal, who was also scheduled to attend, was "indisposed", said officials.

According to officials, the LG asked the agencies to ensure uniformity of architectural and aesthetical aspects of the stretch between Kartavya Path (Central Vista), where most visiting delegates will travel, and the convention centre at Pragati Maidan. He also stressed on augmenting the 5G network in and around the summit sites, sprucing up hotels, especially in the NDMC area, introducing double-decker buses on limited roads and starting hop-on-hop-off (HoHo) buses, said an official.

Among major thrust areas identified by NDMC were improvement of infrastructure, including roads, travel and transportation, walkability, signage and flyovers.

"Since six of the eight events will be held in September during monsoon, there will be special emphasis to put in place foolproof and permanent measures to prevent waterlogging along arterial roads," said an official.

Sanitation, including waste management, cleaning of central and side verges of MCD roads and fast-tracking flattening of landfills, especially the Okhla site, was another key improvement area. Illuminating monuments, landscaping and beautification of iconic markets will also be on agencies' agenda. Officials said visits by delegates will be organised to the markets, Bangla Sahib gurdwara and Iskcon temple.

Residents will be encouraged to volunteer for improving road and sanitary discipline, and events such as G20 marathon, social media campaigns, essay writing, debates, and art and photography competitions will be organised.

Sisodia described the G-20 summit as a big opportunity and also a massive responsibility for the government to ensure Delhi's success as a host city.

"Transport minister Gahlot assured all required steps with regard to acquisition of electric buses and branding of public transport will be completed on time," a statement from the LG Secretariat said.

India assumed the G20 presidency for a year from December 1 and will chair over 200 meetings. Delhi will host eight events starting with the foreign ministers' meet on March 1-2. The main summit will be held on September 9-10.

GEARING UP FOR G20

Photo: Piyal Bhattacharjee

KEY EVENTS

March 1-2 | G20 foreign ministers meeting

June 5-6 | Parliament 20 Summit

Sept 3-6 | Fourth sherpa meeting

Sept 5-6 | Fourth finance and central bank deputies meeting

Sept 6 | Joint sherpa and finance deputies meeting

Sept 7 | Joint finance and energy deputies meeting

Sept 8 | Joint finance and energy ministers meeting

Sept 9-10 | G20 Summit

THRUST AREAS IDENTIFIED BY NDMC

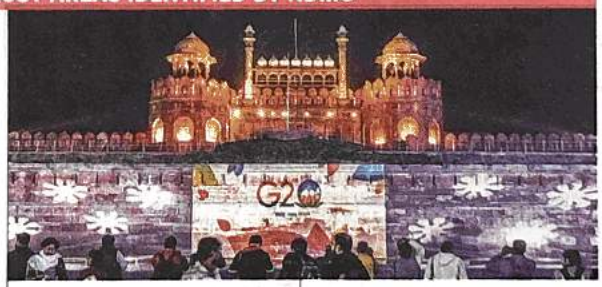

Infrastructure | Improvement of road infrastructure, travel, transportation, walkability and signage. Beautification below flyovers, sprucing up of roads and footpaths, availability of drinking water at public places, and prevention of waterlogging

Sanitation and Beautification | Waste management by ensuring total segregation and installation of quality dustbins, cleaning of central and side verges of roads, fast-tracking the flattening of landfill sites, and completion of work at Okhla landfill site. Beautification of markets and public places, installation of public sculptures

Showcasing Indian culture | Maintenance, landscaping and facade; illumination of monuments. Sprucing up of iconic markets

Citizens' Engagement and Youth Participation | Improving road and sanitary discipline by encouraging residents to volunteer. Organising events, such as G20 marathon; weekend community events; decorated autos, rickshaws, Metro and buses; essay writing and debates; art and photography competitions; wall expression

Summit Documentation | To ensure learnings and experiences are recorded for posterity. Branding and communication around G20 themes of *Vasudhaiva Kutumbakam* and *Atithi Devobhava*

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
THURSDAY, DECEMBER 15, 2022
DATED

MCD Panel To Prepare Biodiversity Register

To Promote Conservation, Sustainable Use And Documentation Of Biological Diversity

Vibha.Sharma @timesgroup.com

New Delhi: Municipal Corporation of Delhi (MCD) has formed a seven-member committee for promoting conservation, sustainable use and documentation of biological diversity.

The panel, formed as per an NGT order and according to Biological Diversity Act, 2002 and Biodiversity Rules, 2005, will conduct a survey and record local biological resources, their medicinal and other uses and traditional knowledge associated with them.

The members include dean of school of environment, Guru Gobind University; conservator of forests (Delhi government); director (horticulture) DDA; and director I, II and III of MCD. The panel will be headed by Prof SS Sindhu, head of department of floriculture division at the Indian Agriculture Research Institute (Pusa).

"The committee will study the entire forest cover, 15,000 MCD and DDA parks and other green areas to prepare a 'people biodiversity register' in consultation with locals," said a senior MCD official.

The committee formation was pending for months due to the civic body's unification. After MCD's special officer on September 8 gave approval for it, an introductory meeting was held on October 11. A decision was taken to conduct meetings regularly.

"We apprised Delhi Biodiversity Council (DBC) about the meeting and decisions taken, after which it informed National Biodiversity Authority (NBA), Chennai, about the development," said the official.

"The Biological Diversity Act mandates every local body in the country to form a committee and document biological diversity, including habitat preservation, conservation of land races and animal breeds. The idea is not just to understand the biodiversity, but also take stock of the steps needed for its sustenance," said an official.

AN MCD OFFICIAL SAYS

The committee will study the entire forest cover, 15,000 MCD and DDA parks and other green areas to prepare a 'people biodiversity register' in consultation with locals

For instance, in the weeds category, the committee will register the scientific name of a variety, its local name, crops affected, uses and management options. For fruit plants, details like sources of seeds, seasoning of fruit as well as past and present status will be recorded. In the soil type category, features like colour and texture and suitability for plant/crop will be noted.

The committee has also been tasked with stopping illegal access to bioresources, furnishing information to NBA and DBC, levying charges for collecting the resources for commercial purposes, maintaining data of local vaidyas using resources, and managing the biodiversity fund as per guidelines.

The panel will also look after management of heritage sites, animals, micro-organisms, sacred groves and water bodies and conservation of traditional varieties of economically important plants. The committee, which received a grant from NBA, is required to complete its work within three years.

"We plan to use the services of an organisation/NGO with expertise in the subject. We have already received representation from an organisation doing a similar survey in Thane. A decision in this regard will be taken soon," said an official.

Over 10L potted plants to be procured for beautification at key locations

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Over 10 lakh exotic potted plants will add to the beauty of the national capital as it gets ready to host the G20 summit in September next year, forest department officials said on Wednesday.

Officials informed that the horticulture wings of both Delhi and central governments have been asked to decorate public spaces with exotic flowering and ornamental plants. The Delhi Development Authority (DDA), New Delhi Municipal Council (NDMC), Public Works Department (PWD) and Municipal Corporation of Delhi (MCD) will be involved in the work.

"Different species of exotic plants will be placed at key locations. Special attention will be given to the stretch between Indira Gandhi International Airport, Lutyens' Delhi, India Gate area, and Pragati Maidan, the main venue of the G20 summit in Delhi. Initial directions have already been sent, but final targets for each department will be finalised by April next year. We hope that at least 10 lakh such plants will be procured for beautification," a forest official said.

TOI@G20

Official added the departments concerned have already been asked to float tenders for procurement of pots, plants and seedlings. The plants will be decorated in public spaces, roundabouts, major intersections, flyovers, etc.

An official from DDA said, "We have received communication to arrange and maintain plants. According to the communication, 1.5 lakh flowering plants have to be procured — 50,000 each by DDA, NDMC and MCD. Another 1.5 lakh outdoor plants must be initially procured and maintained by these agencies. We expect directions for more procurement to follow soon. The purpose is pure beautification ahead of the G20 summit," said a DDA official.

FOREST OFFICIAL SAYS

Different species of exotic plants will be placed at key spots. Special attention will be given to the stretch between Indira Gandhi International Airport, Lutyens' Delhi, India Gate area, and Pragati Maidan

The summit will see a slew of meetings throughout the year between ministers, senior officials, and civil society starting December.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

the pioneer
THURSDAY | DECEMBER 15, 2022 RS----------DATED---------- THE HINDU

High-level meeting held to review G20 Summit preparations

STAFF REPORTER ■ NEW DELHI

In a high-level meeting held on Wednesday to review the preparations for the G-20 Summit involving all stakeholders, Delhi Lieutenant-Governor VK Saxena stressed on the need for a "complete" makeover of the city that will host eight events of the summit, beginning March 1, 2023. The meeting was also scheduled to be attended by Chief Minister Arvind Kejriwal but he could not do so due to health reasons.

The L-G pointed out that there were just 108 days left until the first event in March and only 250 days left until the G-20 Summit in September, 2023. He called for a seamless coordination between various implementing agencies and work as a team. Any lapse in delivery will be taken "extremely seriously" with responsibilities being fixed and stringent action being taken, Raj Niwas said in a statement.

"Informing that he had personally undertaken many a steps like ensuring beautification of the stretch of Road from IGI Airport Road to Dhaula Kuan over the last six months, Saxena stressed on the need for a complete makeover and refurbishing of the city, which will host eight events of the summit," said Raj Niwas, in a statement.

According to the statement, sanitation will be the other big area, involving cleaning and beautification of roads, fast tracking of work to flatten three landfill sites (garbage dumps) with an aim to complete flattening of one at Okhla before commencement of the summit events. Indian culture will be showcased with landscaping and facade designing and illumination of monuments and architectural landmarks of the city including Qutub Minar, Red Fort, Lodhi Garden, Purana Quila, and Humayun's tomb.

Apart from this, iconic markets in the city including Connaught Place, Chandni Chowk, Khan Market and Dilli Haat will be spruced up and overhauled. Visits of G-20 delegates to these markets and langars at places like Bangla Sahib and ISKCON temple will be organised on the sidelines of the summit events.

"The Chairman of NDMC Amit Yadav has given a presentation regarding the five set goals and targets which is to be achieved before the summit.

The first point is improving city's infrastructure by revamping of roads, walkability, refurbishing signages, beautifying under side of flyovers, foolproof and permanent measures for preventing water-logging, owing to the fact that six out of eight events were scheduled to be held in the city, when the monsoons will yet be active.

10 L EXOTIC PLANTS TO ADD TO DELHI'S BEAUTY

STAFF REPORTER ■ NEW DELHI

Over 10 lakh exotic potted plants will add to the beauty of the national capital as it gets ready to host the G20 Summit in September next year, forest department said on Wednesday.

The horticulture wings of the central and Delhi government departments, including the Delhi Development Department, New Delhi Municipal Council, Public Works Department and Municipal Corporation of Delhi, have been asked to decorate public spaces, roundabouts, major intersections, flyovers and vertical greens in the city with exotic flowering plants, a senior forest department official said.

"Different species of exotic plants will be used for this purpose across Delhi. The locations and targets for each department will be finalised by April next year," the official said.

Another official said special attention will be given to the stretch between the Indira Gandhi International Airport and Lutyens Delhi, India Gate area and Pragati Maidan, the main venue of the G20 Summit in Delhi."Departments concerned have already been asked to float tenders for procurement of pots, plants and seedlings. Though there is no specific target yet, we are trying to use many flowering plants," he said.

'Engineering landfill' in city by April 2023

The Hindu Bureau
NEW DELHI

The Municipal Corporation of Delhi (MCD) is likely to create an "engineering landfill" in the city's Tehkhand area by April 2023. The Delhi Development Authority has allocated over 47 acres to the civic body for the project.

A senior civic body official said the new landfill in Tehkhand will be unlike the existing landfills in the city. "Materials such as ash, which we receive from our waste-to-energy plants, will be dumped here. Unlike what we see at the sanitary landfill sites, the engineering landfill site will have provisions to ensure that the leachate does not contaminate the soil and the groundwater is not affected. These measures will be put in place before the site is operational," the official added. MCD Commissioner Gyanesh Bharti in his budget speech, which was released by the civic body on Tuesday, said over 32 acres of the land allocated by the DDA will be utilised to create the engineering landfill site. The Capital has three sanitary landfill sites – Okhla, Bhalswa and Ghazipur.

15 दिसम्बर • 2022 राष्ट्रीय सहारा

ईडब्ल्यूएस-डीजी बच्चों का कक्षा आठ के बाद भविष्य अनिश्चित : स्कूल एसोसिएशन

■ नई दिल्ली (एसएनबी)।

दिल्ली स्टेट पब्लिक स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने कहा है कि मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा का अधिकार कानून 2009 में ईडब्ल्यूएस-डीजी के बच्चों को कक्षा 8 तक पढ़ाने का प्रावधान है। इसके बाद कक्षा 9 से लेकर 12वीं तक के ईडब्ल्यूएस-डीजी श्रेणी में पढ़ने वाले बच्चों के सामने संकट पैदा हो जाता है। इसका कारण यह है कि निजी भूमि पर चलने वाले स्कूलों में 9वी क्लास से सरकार ऐसे बच्चों की फीस रीइंबर्समेंट करना पूरी तरह से बंद कर देती है, जबकि डीडीए लैंड पर चलने वाले स्कूलों में 5 प्रतिशत बच्चों के अभिभावकों को ही फीस देने के लिए बाध्य किया जाता है। 20 प्रतिशत बच्चों को स्कूलों में नौवीं से बारहवीं तक पढ़ाना डीडीए से जमीन लेने वाले स्कूलों के लिए अनिवार्य है, जिसके चलते ऐसे स्कूलों को किसी भी प्रकार की कोई आर्थिक सहायता दिल्ली सरकार से नहीं मिलती।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

पंजाब केसरी OF NEWSPAPERS
15 दिसम्बर, 2022 ▸ गुरुवार

एलजी ने कहा, हमेशा के लिए शहर को स्वच्छ और उत्सव में बदलने का अभूतपूर्व अवसर है 'जी-20 दिल्ली शिखर सम्मेलन'

बुनियादी ढांचे को बदल राजधानी को दिया जाएगा नया रंग-रूपः एलजी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : दिल्ली में होने जा रहे जी-20 शिखर सम्मेलन और इसके संबंधित कार्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय राजधानी में तैयारियों की समीक्षा और जायजा लेने के लिए उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने बुधवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने रेखांकित किया कि अब हमारे पास एक ओर कार्यों के लिए बहुत कम समय है। दूसरी ओर शहर को रिकॉर्ड समय में खुद को बेहतर करने के लिए बदलना है। उन्होंने विभिन्न कार्यान्वयन एजेंसियों के बीच निर्बाध समन्वय का आह्वान किया और सभी को एक टीम के रूप में काम करने के लिए कहा। इसके साथ ही उपराज्यपाल ने विशेष रूप से आगाह किया कि निर्धारित किए गए कार्यक्रम में किसी भी चूक को बेहद गंभीरता से लिया जाएगा। इसके लिए जिम्मेदारियां तय की जाएंगी और इस मामले में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उपराज्यपाल सक्सेना ने बताया कि मार्च में पहली बैठक के लिए सिर्फ 108 दिन शेष हैं और सितंबर 2023 में जी - 20 शिखर सम्मेलन में केवल 250 दिन शेष हैं। बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी अपनी बात रखी। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री कैलाश गहलोत व राज कुमार आनंद, दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार, पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा, एनडीएमसी के अध्यक्ष अमित यादव, डीडीए उपाध्यक्ष, विशेष अधिकारी (एमसीडी), आयुक्त (एमसीडी) और पीडब्ल्यूडी, दिल्ली जल बोर्ड, डीटीसी, परिवहन, यातायात, स्वास्थ्य और पर्यटन आदि विभागों के प्रमुख भी शामिल थे। मुख्यमंत्री अस्वस्थ होने के कारण बैठक में शामिल नहीं हो सके।

शहर के नवीनीकरण की आवश्यकता पर दिया बल

एलजी ने बैठक की शुरुआत करते हुए जी-20 शिखर सम्मेलन को राष्ट्रीय राजधानी के लिए दुनिया के सामने खुद को प्रदर्शित करने के लिए एक अभूतपूर्व अवसर बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस मील के पत्थर का उपयोग दिल्ली को एक ऐसे शहर के रूप में उभरने के लिए किया जाना चाहिए, जो हमेशा के लिए स्वच्छ रहे। उन्होंने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से पिछले छह महीनों में आईजीआई एयरपोर्ट रोड से धौलाकुआं तक सड़क के विस्तार को सुनिश्चित करने जैसे कई कदम उठाए हैं। बैठक के दौरान सक्सेना ने शहर के पूर्ण बदलाव और नवीनीकरण की आवश्यकता पर बल दिया, जो शहर मेजबानी करेगा।

सितंबर 2023 में शिखर सम्मेलन का होगा समापन

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 9-10 सितंबर 2023 को सरकारों /राज्यों के प्रमुखों की बैठक के बाद शिखर सम्मेलन का समापन होगा। दिल्ली द्वारा आयोजित किए जाने वाले अन्य कार्यक्रमों में 5-6 जून को संसद-20 शिखर सम्मेलन, 3-6 सितंबर को चौथी शेरपा बैठक, 5-6 सितंबर को चौथी वित्त और केंद्रीय बैंक के प्रतिनिधियों की बैठक होगी। सात सितंबर को संयुक्त वित्त और ऊर्जा डिप्टी मीटिंग और आठ सितंबर को संयुक्त रूप से वित्त और ऊर्जा मंत्रियों की बैठक होगी। अध्यक्ष (एनडीएमसी) द्वारा संचालित एक प्रस्तुति में निम्न को महत्वपूर्ण क्षेत्रों के रूप में चिन्हित किया गया था जहां निर्धारित लक्ष्यों और लक्ष्यों को निर्धारित समय सीमा के अनुसार प्राप्त किया जाना है।

'दिल्ली के विकास के लिए अच्छा अवसर प्रदान करेगा सम्मेलन'

डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने बुधवार को कहा कि जी-20 शिखर सम्मेलन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के और विकास के लिए एक अच्छा अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि मेहमानों का स्वागत पूरे उत्सवी मिजाज के साथ किया जाएगा। भारत ने गत एक दिसंबर को जी-20 की अध्यक्षता औपचारिक रूप से हासिल की थी। जी-20 नेताओं का शिखर सम्मेलन अगले साल नई दिल्ली में नौ-दस सितंबर को आयोजित किया जाना है जिसमें देशों सरकारों के प्रमुख शिरकत करेंगे। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की अध्यक्षता वाली एक बैठक में सिसोदिया भी शामिल हुए। इस बैठक का आयोजन जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारियों का जायजा लेने और इसकी समीक्षा के लिए आयोजित किया गया था। सिसोदिया ने संवाददाताओं से कहा कि यह भारत के लिए बड़ी बात है कि हमें जी-20 शिखर सम्मेलन आयोजित करने का अवसर मिला है। लेकिन दिल्ली के लिए यह और भी बड़ी बात है। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि दिल्ली सरकार पर मेहमानों की मेजबानी करने की जिम्मेदारी है। सिसोदिया ने कहा कि वह चाहते हैं कि मेहमानों की मेजबानी समुचित तरीके से की जाए। सिसोदिया ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना है कि मेहमान अच्छा महसूस करें और उन्हें बेहतरीन सुविधाएं मिलें। इस बार में अच्छी चर्चा हुई और सभी विभागों ने पहले ही इस पर काम करना शुरू कर दिया है। दिल्ली की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अनोखेपन को दर्शाने के लिहाज से जी-20 शिखर सम्मेलन को एक अच्छा अवसर करार देते हुए कहा कि इससे दिल्ली का और विकास करने में सहूलियत होगी।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक भास्कर
NAME OF NEWSPAPERS----------
नई दिल्ली, गुरुवार 15 दिसंबर, 2022

बैठक • जी-20 को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने के दिल्ली को मिला अभूतपूर्व अवसर

जी-20 शिखर सम्मेलन दिल्ली के विकास के लिए अवसर प्रदान करेगा: उपराज्यपाल

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

अगले साल दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित होने वाली जी-20 शिखर सम्मेलन और इस अवसर पर आयोजित की जाने वाली अन्य तैयारियों की समीक्षा को लेकर दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने बुधवार को उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, राजस्व मंत्री कैलाश गहलोत और राज कुमार आनंद, मुख्य सचिव, पुलिस आयुक्त, अध्यक्ष (एनडीएमसी), वीसी (डीडीए), विशेष अधिकारी (एमसीडी), आयुक्त (एमसीडी) और पीडब्ल्यूडी जैसे सभी संबंधित विभागों के प्रमुख , दिल्ली जल बोर्ड, डीटीसी, परिवहन, यातायात, स्वास्थ्य पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया वहीं सीएम अरविंद केजरीवाल अस्वस्थ होने के कारण बैठक में शामिल नहीं हो सके। समीक्षा बैठक में उपराज्यपाल ने कहा कि जी 20 शिखर सम्मेलन को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने के दिल्ली को अभूतपूर्व अवसर मिला है। उन्होंने जी-20 शिखर सम्मेलन को राष्ट्रीय राजधानी के लिए दुनिया के सामने खुद को प्रदर्शित करने के लिए एक अभूतपूर्व अवसर के रूप में रेखांकित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि इस बड़े अवसर का उपयोग दिल्ली को एक शहर के रूप में उभरने के लिए किया जाना चाहिए, जो कि "हमेशा के लिए स्वच्छ और हमेशा सुंदर हो'। एलजी ने कहा कि जी-20 शिखर सम्मेलन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के और विकास के लिए एक अच्छा अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने ने कहा कि पिछले 6 महीनों में आईजीआई एयरपोर्ट रोड से धौला कुआं तक सड़क के विस्तार को सुनिश्चित करने जैसे कई कदम उठाए हैं। एलजी ने दिल्ली के पूर्ण बदलाव और नवीनीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया, जो 1 मार्च, 2023 से शुरू होकर 8 कार्यक्रमों की मेजबानी करेगा, जब जी-20 के विदेश मंत्री दिल्ली में मिलेंगे और 9-10 सितंबर को सरकारों/राज्यों के प्रमुखों की शिखर बैठक में समापन होगा।

रिकार्ड समय में एंजेसियों को सभी काम करना है पूरा

उपराज्यपाल ने कहा कि इस रिकार्ड समय में सभी एजेसिंयो को सब कुछ ठीक और व्यवस्थित करना है। उपराज्यपाल ने सभी विभिन्न ऐजेंसियों को समन्वय का अपील किया है और एक टीम के रूप में काम करने को कहा है। उपराज्यपाल ने कहा है कि इसमें किसी भी चूक को गंभीरता से लिया जाएगा और जिम्मेदारियां तय की जाएगी और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जी20 सम्मेलन का कार्यक्रम| जी-20 सम्मेलन के अवसर पर अन्य कार्यक्रम 5-6 जून को संसद-20 शिखर सम्मेलन, 3-6 को चौथी शेरपा बैठक, चौथी वित्त और केंद्रीय बैंक के प्रतिनिधियों की बैठक, संयुक्त शेरपा और वित्त प्रतिनिधि शामिल होंगे। 6 सितंबर को डिप्टी मीटिंग, 7 सितंबर को संयुक्त वित्त और ऊर्जा विभाग की बैठक और 8 सितंबर को संयुक्त वित्त और ऊर्जा मंत्रियों की बैठक। एलजी ने बताया कि मार्च में जब मीटिंग की शुरूआत होगी, उसके लिए 108 दिन शेष है सितंबर में जी 2 शिखर सम्मेलन केवल 250 दिन शेष हैं।

जी 20 में 200 से अधिक बैठकें होगी आयोजित| देशभर में इस महीने की शुरुआत से जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारियों के मद्देनजर 200 से अधिक बैठकें आयोजित की जाएंगी। जी-20 विश्व के प्रमुख विकसित और विकासशील देशों का एक अंतर सरकारी फोरम है जिसमें अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ (ईयू) और अमेरिका शामिल हैं।

मेहमानों का स्वागत पूरे 'उत्सवी मिजाज' के साथ किया जाएगा : सिसोदिया

दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने बुधवार को कहा कि मेहमानों का स्वागत पूरे 'उत्सवी मिजाज' के साथ किया जाएगा। सिसोदिया ने कहा यह भारत के लिए बड़ी बात है कि हमें जी-20 शिखर सम्मेलन आयोजित करने का अवसर मिला है। लेकिन दिल्ली के लिए यह और भी बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार पर मेहमानों की मेजबानी करने की जिम्मेदारी है। सिसोदिया ने कहा कि वह चाहते हैं कि मेहमानों की मेजबानी समुचित तरीके से की जाए।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

विश्वस्तरीय होंगी दिल्ली की सड़कें और परिवहन व्यवस्था

जी-20 शिखर सम्मेलन को उपराज्यपाल ने माना अवसर, तैयारियों की समीक्षा की

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन के राजधानी की सड़कों और परिवहन व्यवस्था को विश्वस्तरीय बनाया जाएगा। बुधवार को उपराज्यपाल वीके सक्सेना की अध्यक्षता में तैयारियों की समीक्षा के लिए हुई बैठक में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए सभी पहलुओं पर मंथन किया गया। फ्लाईओवर और सड़कों का सौंदर्यीकरण, डबल डेकर बसें चलाने के साथ- साथ प्रतिनिधियों और आगंतुकों के लिए होटल, रेस्तरां, बाजारों को भी नए सिरे से विकसित किया जाएगा। बैठक में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, मंत्री कैलाश गहलोत, राज कुमार आनंद, मुख्य सचिव, पुलिस आयुक्त, अध्यक्ष (एनडीएमसी), वीसी (डीडीए), विशेष अधिकारी (एमसीडी), आयुक्त (एमसीडी) और पीडब्ल्यूडी जैसे सभी संबंधित विभागों के प्रमुख , डीजेबी, डीटीसी, परिवहन, यातायात, स्वास्थ्य और पर्यटन विभाग के अधिकारी शामिल हुए। अस्वस्थ होने की वजह से मुख्यमंत्री इस बैठक में शामिल नहीं हो सके।

उपराज्यपाल ने जी-20 शिखर सम्मेलन को राष्ट्रीय राजधानी के लिए दुनिया के सामने खुद को प्रदर्शित करने के लिए एक अभूतपूर्व अवसर बताया। एलजी ने इस बात पर जोर दिया कि मील के पत्थर का इस्तेमाल दिल्ली को हमेशा के लिए स्वच्छ और उत्सव के लिहाज से उभरने के लिए किया जाना चाहिए। एलजी ने बताया कि उन्होंने व्यक्तिगत तौर पर पिछले छह महीनों में आईजीआई एयरपोर्ट रोड से धौला कुआं तक सड़क के विस्तार के सौंदर्यीकरण के लिए कई कदम उठाए हैं। दिल्ली में होने वाले आठ आयोजनों के लिहाज से पूर्ण बदलाव और नवीनीकृत करने को जरूरी बताया। एक मार्च, 2023 से जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों की मुलाकात होगी। 9-10 सितंबर को सरकारों और राज्यों के प्रमुखों की शिखर बैठक के साथ समापन होगा।

सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा करते उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना।

दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम

- 5-6 जून, 2023 को संसद-20 शिखर सम्मेलन
- 3-6 सितंबर, 2023 को चौथी शेरपा बैठक
- 5-6 सितंबर, 2023 को चौथी वित्त और केंद्रीय बैंक के प्रतिनिधियों की बैठक
- 6 सितंबर को संयुक्त शेरपा और उप वित्त की बैठक
- 7 सितंबर को संयुक्त वित्त और ऊर्जा डिप्टी मीटिंग
- 8 सितंबर को संयुक्त वित्त और ऊर्जा मंत्रियों की बैठक।

दिल्ली का इंफ्रास्ट्रक्चर

- सड़कों के बुनियादी ढांचे में सुधार
- यात्रा और परिवहन व्यवस्था में सुधार
- साइनेज नए रंग में दिखेंगे तो फ्लाईओवर के नीचे होगा सौंदर्यीकरण
- सड़कें और फुटपाथ संवारे जाएंगे और सभी सार्वजनिक जगहों पर पानी के पानी की उपलब्धता होगी
- जलभराव की समस्या की रोकथाम के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। जी-20 समिट सहित दिल्ली में छह कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस दौरान मॉनसून के सक्रिय होने पर हालात ना बिगड़े इसके लिए माकूल इंतजाम किए जाएंगे।

भारतीय संस्कृति का प्रदर्शन

- खूबसूरत लैंडस्केपिंग, कुतुब मीनार, लोदी गार्डन, लाल किला, पुराना किला, हुमायूं का मकबरा और सुंदर नर्सरी जैसे स्मारक होंगे रोशन
- कनॉट प्लेस, चांदनी चौक, खान मार्केट, दिल्ली हाट जैसे प्रतिष्ठित बाजारों को सौंदर्यीकृत और होगा कायाकल्प। जी-20 के प्रतिनिधि और आगंतुक दौरा करेंगे।
- बंगला साहिब गुरुद्वारा, इस्कॉन मंदिर में लंगर में भी हो सकेंगे शामिल

अतिथि देवो भव

शिखर सम्मेलन प्रलेखन को सुनिश्चित किया जाएगा। यह भावी पीढ़ी के लिए सीख बन सके, इस लिहाज से सभी अनुभवों को संजोया जाएगा। वसुधैव कुटुंबकम और अतिथि देवो भव के थीम पर जी-20 विषयों के इर्द-गिर्द ब्रांडिंग और संचार माध्यम भी होंगे।

एजेंसियों के बीच निर्बाध समन्वय जरूरी

उपराज्यपाल ने बताया कि मार्च में पहले आयोजन में महज 108 दिन बचे हैं, जबकि सितंबर में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में 250 दिन शेष हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ कार्यों के लिए बहुत कम वक्त है। रिकॉर्ड समय में दिल्ली को नवीनीकृत और बदलाव का मौका मिला है। एलजी ने कहा कि कार्यों के निष्पादन के लिए एजेंसियों के बीच निर्बाध समन्वय के साथ साथ एक टीम के तौर पर काम करने की जरूरत है। एलजी ने आगाह किया कि कार्यों में किसी भी चूक को बेहद गंभीरता से लिया जाएगा। इसके लिए जिम्मेदारियां तय करते हुए सख्त कार्रवाई भी होगी। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आगामी शिखर सम्मेलन और इससे संबंधित कार्यक्रमों को दिल्ली के एक बड़ा अवसर बताया। साथ ही कहा कि मेजबान शहर के रूप में दिल्ली की सफलता सुनिश्चित करना सरकार की एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। इस मौके पर अध्यक्ष (एनडीएमसी) की ओर से एक प्रस्तुति पेश की गई। इसमें चार अहम बिंदुओं को दर्शाया गया।

सौंदर्यीकरण की योजना

- कूड़े को अलग करने और दिल्ली के सभी हिस्सों में अच्छी गुणवत्ता वाले कूड़ेदान
- पीडब्ल्यूडी और एमसीडी की सभी सड़कों के बीच और किनारों की पहचान कर सफाई करना
- सभी मौजूदा लैंडफिल साइट को किया जाएगा समतल, इसे तेजी से पूरा करने के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। इसके तहत अपशिष्ट प्रबंधन किया जाएगा। आयोजन के शुरू होने से पहले ओखला लैंडफिल साइट पर काम पूरा करने किया जाएगा।
- दिल्ली के सभी बाजारों और सार्वजनिक स्थानों का सौंदर्यीकरण, सार्वजनिक स्थानों पर लगाई जाएंगी मूर्तियां

5 जी और डबल डेकर, सेंट्रल विस्टा के स्ट्रेच पर होगी एकरूपता

परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने भरोसा दिया कि इलेक्ट्रिक बसों के बेड़े में बढ़ोतरी के साथ- साथ सार्वजनिक परिवहन की ब्रांडिंग की दिशा में भी सभी कार्य समय पर पूरे किए जाएंगे।

बैठक में उपराज्यपाल ने दोहराया कि जी-20 शिखर सम्मेलन एक मील का पत्थर होगा। इस मौके का उपयोग लंबे समय तक के लिए दिल्ली में बदलाव के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने कर्तव्य पथ के बीच के स्ट्रेच के वास्तुशिल्प और सौंदर्य की एकरूपता को जरूरी बताया। दूसरे देशों के प्रतिनिधि यात्रा करेंगे और प्रगति मैदान में कन्वेंशन सेंटर जैसे स्थलों का दौरा भी करेंगे।

लौटेगा कॉमनवेल्थ गेम्स का गुजरा जमाना

जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान नई दिल्ली क्षेत्र गेम्स के समय की तरह चमकेगा

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। नई दिल्ली क्षेत्र के एक बार फिर विश्वस्तरीय शहरों की भांति चमकेगा। एनडीएमसी ने कॉमनवेल्थ गेम्स के दौरान की तरह जी-20 शिखर सम्मेलन के समय भी नई दिल्ली को सजाने व संवारने के लिए छह योजनाएं तैयार की है। इन योजनाओं को अमलीजामा पहनाने के दौरान देश की संस्कृति की भी झलक दिखाई देगी। वह इन योजनाओं पर करीब 85 करोड़ रुपये खर्च करेगी। उसने दो योजना के तहत तो कार्य भी आरंभ कर दिया है।

एनडीएमसी ने नई दिल्ली इलाके का सौंदर्यीकरण करने के लिए सड़कें नए सिरे से बनाएगी। सड़कों के साथ फुटपाथ बनाए जाएंगे। इसके अलावा सड़कों के साथ हरित पट्टी विकसित की जाएगी और सड़कों को जगमग करने के लिए नई स्ट्रीट लाइट लगाने की योजना है। खास बात यह है कि सड़कों पर स्ट्रीट लाइट लगाने की योजना पर कार्य आरंभ हो चुका है। इसके बाद फुटपाथ बनाने का कार्य आरंभ होगा। सरदार पटेल मार्ग पर रिज क्षेत्र की ओर रेलिंग लगानी शुरू कर दी गई है। यह दोनों कार्य पूरे होने के पश्चात सड़कों के साथ हरित पट्टी विकसित की जाएगी। इस योजना का कार्य भी शुरू कर दिया गया है। एनडीएमसी अपनी कई नर्सरी में पौधे तैयार कर रही है। एनडीएमसी खास तौर पर 41 सड़कों को सजाएगी। एनडीएमसी अपनी 41 सड़कों के मध्य स्थित गोल चक्करों का भी पुनर्विकास करेंगी। इन गोल चक्करों पर ग्रेनाइट पत्थर लगाया जाएगा। इसके अलावा आकर्षित टाइलें भी लगाने की योजना है। वहीं गोल चक्करों में फव्वारे और मूर्ति भी लगाई जाएगी। इन गोल चक्करों के आसपास के इलाके में रंगाई भी जाएगी और विदेशी फूल भी लगाए जाएंगे। एनडीएमसी राज्यों की संस्कृति से ओतप्रोत कलाकृतियां भी बनवाएगी। कई सड़कों पर रामायण व महाभारत के दृश्यों को भी कलाकृतियां दिखाई देंगी।

प्रमुख स्थानों के आसपास के इलाके को भी संवारा जाएगा

जी-20 शिखर सम्मेलन में राजधानी में कई विकसित देशों के प्रतिनिधि भारत आएंगे। वह नई दिल्ली में ठहरेंगे और उनके नई दिल्ली इलाके में सैर सपाटा करने की भी संभावना है। इस कड़ी में एनडीएमसी अपनी विभिन्न मार्केट व हनुमान मंदिर समेत अन्य प्रमुख स्थानों वाले के आसपास के इलाके का भी कायाकल्प करेगी। इसके अलावा सड़कों व फुटपाथों को अतिक्रमण करेगी। इसी तरह होटलों के आसपास के क्षेत्र को भी सजाया जाएगा।

एनडीएमसी की योजनाएं व खर्च का ब्यौरा

योजना का नाम	खर्च
सड़कों का निर्माण	46.60 करोड़ रुपये
स्ट्रीट लाइट	10 करोड़ रुपये
हरियाली	21 करोड़ रुपये
कलाकृति	05 करोड़ रुपये
सिविल कार्यों का रखरखाव	01 करोड़ रुपये
सर्वेक्षण	02 करोड़ रुपये